MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL

Kala Ratna Diploma in performing art- (K.R.D.P.A.)

2021 -22 (Private)

Previous

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	MIN
1	Theory - 1 History and Development of Indian dance	100	33
2	Theory - II Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	100	33
3	PRACTICAL - I Demonstration & Viva	100	33
4	PRACTICAL - II Stage Performance	100	33
	GRAND TOTAL	400	132

स्कूलस्तर के पाठ्यक्रम

स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु

कला रत्न डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट–प्रथमवर्ष

कथक नृत्य

शास्त्र –प्रथमप्रश्नपत्र

समयः– 3 घन्टे पूर्णांकः– 100

1. कथक नृत्य का उद्भव एवं विकास।
2. अभिनय की परिभाषा एवं प्रकारों का ज्ञान।
3. अभिनय दर्पण के अनुसार असंयुक्त एवं संयुक्त हस्त भेदों का अध्ययन एवं कथक नृत्य में उनका महत्व।
4. नाट्य शास्त्र के अनुसार रस एवं भाव की व्याख्या एवं उनके प्रकारों का विशुद्ध अध्ययन।
5. अभिनय दर्पण के अनुसार 'दशावतारहस्त' का ज्ञान।
6. देवदासी प्रथा का इतिहास एवं भारतीय नृत्यों के विकास में उसका योगदान।
7. लखनऊ के नवाब वाज़िदअली शाह एवं रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह के कार्यकालों का विशेष उल्लेख करते हुए मुस्लिम एवं हिन्दू दरबारों में कथक नृत्य का उद्धार एवं पुनर्विकास की जानकारी।
8. लोकधर्मी, नाट्यधर्मी एवं पूर्वरंग का अध्ययन ।
9. सोलह श्रृंगार एवं बारह आभूषणों की जानकारी एवं कथकनृत्य में उनके महत्व का ज्ञान।

कला रत्न डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट–प्रथमवर्ष

कथक नृत्य

शास्त्र –द्वितीय प्रश्नपत्र

समयः– 3 घन्टे पूर्णांकः–100

1. नृत्य से संबंधित सामान्य विषयों पर निबन्ध।

2. प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उल्लिखित तालों के ठेकों एवं उनमें तोड़े, परन, कवित्त, तिहाई आदि लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

3. दिए गये कथानकों में निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर नृत्य संरचना करने का अभ्यास :–कालियादमन, द्रोपदी वस्त्र हरण एवं अभिसारिका नायिका।

बिन्दु–संक्षिप्त कथा वस्तु, रंगमंच व्यवस्था, पात्र चयन, वेशभूषा, रूप–सज्जा , पार्श्व संगीत, ताल एवं रस।

कला रत्न डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट–प्रथमवर्ष
कथक नृत्य

प्रायोगिक–वायवा

1. गुरू वंदना, शिववंदना, एवं सरस्वती वंदना में से किन्हीं दो से संबंधित श्लोक परभाव प्रदर्शन।
2. ठाठ का विस्तृत प्रदर्शन।
3. त्रिताल में नृत्य पक्ष के सम्पूर्ण बोल, कवित्त एवं तिहाईयों के विविध प्रकारों के साथ लगभग आधे घन्टे तक उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन की क्षमता।
4. किन्हीं पाँच गतनिकासों का प्रदर्शन।
5. निम्नलिखितमें से किन्हीं दो गतभावों का प्रदर्शन :–
   कालियादमन, माखन चोरी एवं होली।
6. विविध प्रकार के तत्कार एवं लयबाँट आदि की प्रस्तुति।
7. किसी एक पर भाव प्रदर्शन–तराना एवं भजन।
8. निम्नलिखित में से किसी एक ताल में निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास :–
   पंचमसवारी (15–मात्रा), एवं रूद्र (11–मात्रा) मेंठाठ एक आमद, तीन तोड़े, दोपरन, दो चक्करदार तोड़े अथवा परन, एक कवित्त एवं तत्कार।

कला रत्न डिप्लोमाइन परफॉर्मिंगआर्ट–प्रथम वर्ष

कथकनृत्य

प्रायोगिक–मंचप्रदर्शन

आमंत्रित दर्शकों के समक्ष लगभग एक घण्टे तक उच्चस्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

आंतरीक मूल्यांकन

आवश्यक निर्देश–: आंतरीक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वरलिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय

स्कूल स्तर कथक पाठ्यक्रम अंकविभाजन

MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL

Kala Ratna Diploma in performing art- (K.R.D.P.A.)

2021 -22 (Private)

Final

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	MIN
1	Theory - 1 History and Development of Indian dance	100	33
2	Theory - II Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	100	33
3	PRACTICAL - I Demonstration & Viva	100	33
4	PRACTICAL - II Stage Performance	100	33
	GRAND TOTAL	400	132

स्कूलस्तर के पाठ्यक्रम
स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु
कला रत्न डिप्लोमा इन परफॉर्मिंगआर्ट–अंतिमवर्ष

कथकनृत्य

शास्त्र –प्रथमप्रश्नपत्र

समयः– 3 घन्टे पूर्णांकः– 100

1. कथकनृत्य के विभिन्न घरानों का परिचयात्मक ज्ञान एवं उनकी शैलीगत विशेषताओं का अध्ययन।

2. विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों का ज्ञान।

3. ताल के दस प्राणों का विस्तृत अध्ययन।

4. गुरू शिष्य परम्परा एवं उसका महत्व ।

5. भारत के लोक नृत्यों की संक्षिप्त जानकारी।

6. अष्ट नायिका एवं चार प्रकार के नायक का विस्तृत अध्ययन।

7. अभिनय दर्पण के अनुसार देवहस्तों का ज्ञान।

8. 'बैले' (नृत्य नाटिका) का उद्भव एवं विकास तथा कथक नृत्य में उसका योगदान।

9. कथक नृत्य के भावपक्ष में विषय वस्तु एवं उनकी प्रस्तुति की विविधता का ज्ञान :–वंदना, गतभाव, ठुमरी, भजन, कवित्त।

कला रत्न डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट–अंतिमवर्ष
कथकनृत्य
शास्त्र –द्वितीय प्रश्नपत्र

समयः– 3 घन्टे

पूर्णांकः– 100

1. नृत्य से सम्बधित सामान्य विषयों पर निबंध।
2. प्रायोगिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सीखे गये तालों के ठेके एवं उनमें तोड़े, परन, कवित्त, तिहाई आदि लिपिबद्ध करने की क्षमता।
3. नीचे दिये गये कथानकों में निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर नृत्य संरचना करने का अभ्यास।

खण्डिता नायिका एवं सीताहरण ।

बिन्दु :–संक्षिप्त कथावस्तु, रंगमंच व्यवस्था, पात्रचयन, वेशभूषा, रूप–सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस।

कला रत्न डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट–अंतिम वर्ष
कथकनृत्य
प्रायोगिक–वायवा

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. गणेश वंदना एवं कृष्ण वंदना से सम्बंधित श्लोकों में भाव प्रदर्शन।
3. त्रिताल में निम्नानुसार नृत्य अभ्यास :–

तिस्त्र एवं मिश्र जाति की परन, दर्जा, फरमाईशी चक्करदार, नवहक्का, गणेशपरन, शिवपरन, अतीत,अनागत के तोड़े या परन विभिन्न प्रकार के कवित्त।

4. विभिन्न प्रकार के तत्कार एवं लयबाँट आदि का प्रदर्शन।
5. घूँघट एवं मुरली के विविध प्रकारों का गतनिकास के साथ अभ्यास।
6. निम्नलिखित में से दो गतभावों का अभ्यास :–

भस्मासुर, द्रोपदीवस्त्र हरण एवं नायिका भेद।

7. बसंत (9–मात्रा), षिखर (17–मात्रा) में से किन्हीं एक ताल में निम्नानुसार नृत्य करने की क्षमता :–ठाठ, एक आमद, तीनतोड़े, दोपरन, दो चक्करदार तोड़े और परन, एक कवित्त एवं तिहाई आदि।
8. चतुरंग यातिरवट पर नृत्य प्रदर्शन।
9. ठुमरी औरभजन पर भाव प्रदर्शन।

कला रत्न डिप्लोमा इनपरफॉर्मिंग आर्ट–अंतिमवर्ष

कथकनृत्य

प्रायोगिक–मंच प्रदर्शन

आमंत्रित दर्शकों के समक्ष उच्च स्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

संदर्भित पुस्तकें :–

1. अभिनय दर्पण (डॉ. वाचस्पति गैरोला)
2. भारतीय संस्कृति में कथक परम्परा (डॉ. मांडवी सिंह)
3. कथकनृत्य शिक्षा भागदो (डॉ. पुरू दाधीच)
4. कथक मध्यमा(डॉ. भगवानदास माणिक)

आंतरीक मूल्यांकन

आवश्यक निर्देश–: आंतरीकमूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक

परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वरलिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एव नगर में आयोजित संगीत कार्यकमों की रिर्पोट